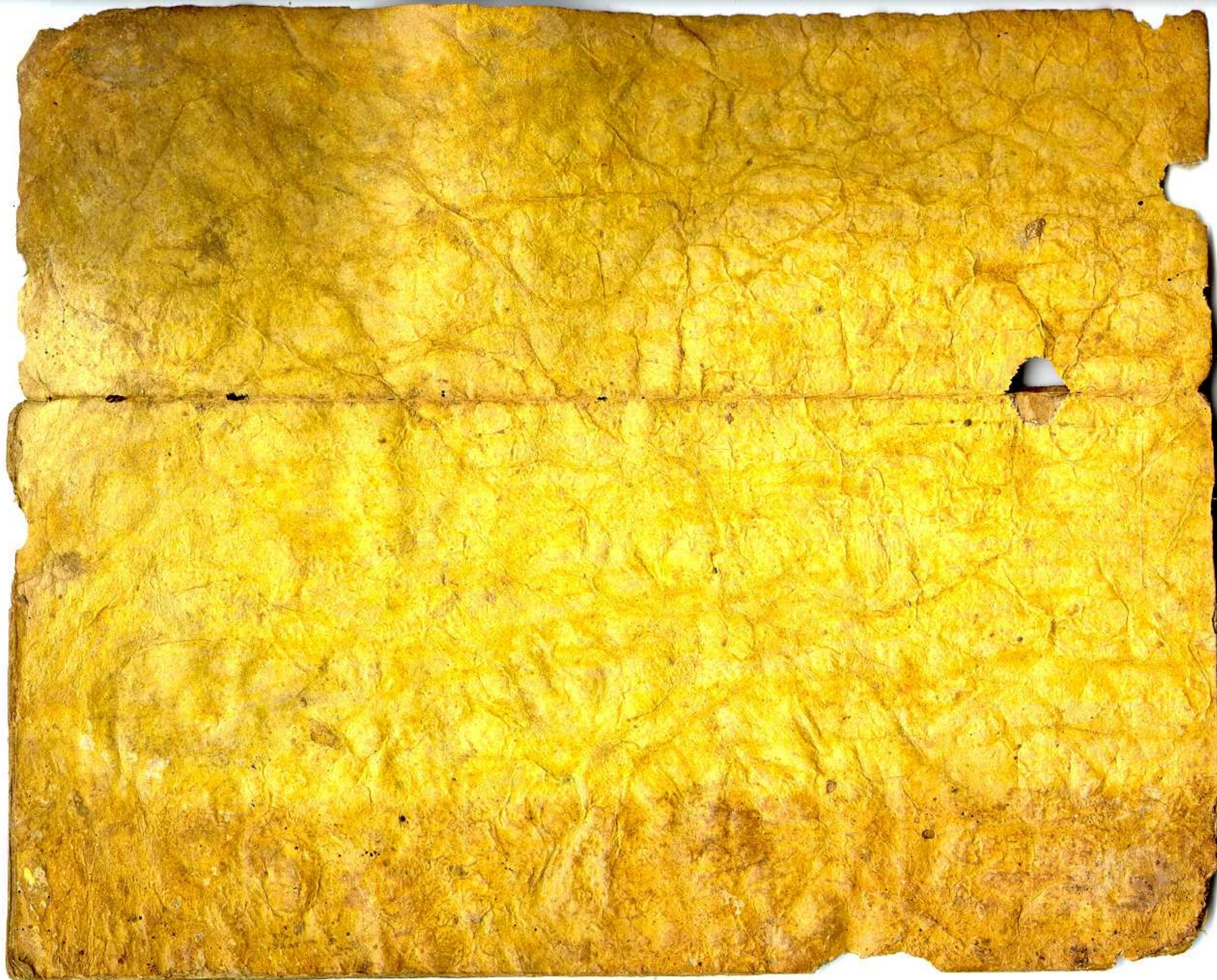


सी ० प्रजापति सुकुमुल

रु ज



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 यं च सा लो ॥ ऊ ॥ दधुसः स्वाये ॥ हु ॥ ने ॥ क ॥ ला ॥ ग ॥ च ॥ स ॥ लि ॥ उ ॥ ने ॥ ट ॥ वे ॥ उ ॥ द ॥ पा ॥
 को न ॥ स ॥ दो ॥ ग ॥ लि ॥ उ ॥ ने ॥ च ॥ ला ॥ ला ॥ ग ॥ द ॥ पा ॥ दू ॥ धू ॥ स ॥ ने ॥ स ॥ व ॥ ल ॥ च ॥ या ॥ दि ॥ ग ॥ स ॥ व ॥ र ॥ स ॥ म ॥
 सान ॥ व ॥ लि ॥ ग ॥ लि ॥ उ ॥ ने ॥ स ॥ ग ॥ न्च ॥ उ ॥ च ॥ ला ॥ क ॥ न ॥ स ॥ ग ॥ ष ॥ ण्क ॥ च ॥ य ॥ व ॥ श ॥ व ॥ लि ॥ प ॥ द्मा ॥ व ॥ लि ॥
 गो ॥ ला ॥ व ॥ लि ॥ च ॥ य ॥ ग ॥ स ॥ न ॥ य ॥ च ॥ ग ॥ र्ग ॥ पा ॥ य ॥ र ॥ व ॥ क ॥ जा ॥ ग ॥ नि ॥ ग ॥ जू ॥ क ॥ वा ॥ हि ॥ जू ॥ दि ॥ य ॥
 नि ॥ थ ॥ प ॥ ना ॥ या ॥ ना ॥ ज ॥ ग ॥ लि ॥ च ॥ या ॥ ग ॥ गु ॥ ल ॥ म ॥ धु ॥ ले ॥ य ॥ च्छ ॥ ग ॥ र्ग ॥ का ॥ य ॥ ध ॥ न ॥ पा ॥ न ॥
 ग्व ॥ ज ॥ पू ॥ जा ॥ ग ॥ ध ॥ न ॥ स ॥ ला ॥ हि ॥ स ॥ द्वा ॥ हा ॥ ल ॥ स्वी ॥ जू ॥ ख ॥ व ॥ ना ॥ य ॥ न ॥ स्य ॥ सि ॥ द्वा ॥
 थ ॥ य ॥ ग ॥ वा ॥ च्छ ॥ य ॥ ना ॥ ग ॥ र्ग ॥ या ॥ दि ॥ ध ॥ न ॥ म ॥ धु ॥ ल ॥ स ॥ ख ॥ न ॥ वा ॥ य ॥

धनरावनास्वीनस्यैःसर्जो नथं पूजा ॥ धनंलियकूसातिपूजाः
षट्कोगिनियूजा ॥ अष्टसमभानपूजाः नन्दावतिविष ॥ धन
मूलमधुलया मधसः मूलपात्रसङ्का ॥ धननाडो ॥ घट्टरुद्धि
नूपाडोः चउ नरु नूपाडो ॥ धनसलाहिदेष्टाय ॥ देष्टोपूजा ॥
सिद्धनयः मरुनिहय ॥ आदिकाय ॥ मधुलपिलः किनने
समाधिगायः कजसः संगः मनपूजा ॥ आयिपूजा ॥ दजापू
जाः रम्भयपूजा ॥ चक्रपूजा ॥ मधुलपिलः किननेः संगः माह
निष्ठाप ॥ कोटसिद्धः गुह्यः थाकालिशकाभिय ॥ ॐ ॥

यनद्वाजधानय ॥ धूर्कनाओः लूखाचायक ॥ दिगुसक्तयः क्षात्र
कजस ॥ अयप्रसाद ॥ सलाहि सिद्धं नित्यः आउ कषा वियः षट्
जोगिनिः कमाकथं विय ॥ पञ्चसालहिय ॥ हसयाचक्रः वि
र्ज ॥ जयेंदथापिलोङ्गाय ॥ पाशथाकालि. लिपावियः छेत्त
सलीकपूय ॥ ॐ ॥ ॥ ॐ नमश्चीकोलास्याये ॥ ॥
ॐ नमश्चीमनवणसख. गुप्त्वचननकुम. लायसम्यहाना
वलासनंकजाये ॥ नमो ॥ ॐ त्यादहगजहिताः वचदेहकालिः चक्र
प्रहाविजयानिः नैकगुनूपिः वज्रगनागुनगणः समलीकनामीः

मह्ये च यामि जननि जि नानाः नमस्तु न्य ना प्रवे सान नः धी वज
दवी प्रप मा लयः नदा का लज गन सच का गि ष्या मिः जग न क नाः
ओं न गुा सु फाने सरं कं रुद्र ॥ ओं ग रु नि ग रु द्रा रुं रुद्र ॥ ओं ग रु द्रा य
य रुं रुद्र ॥ ओं आ न य हो र ग व न वि द्या ना ज रुं रुद्र ॥ ध न पा व स
चो न थ का या ओः मा ल स य र वं नि नः वा क्थ थ रु ल ॥ ध न पा व क या
ओः म रु सी ध न या य वा क्थ ॥ ओं हूं ओं किं जूं र वं खा हा ॥ पू न पि त्या
सु न्य नां रा व य न ॥ जी ४ क्त्वं ल न य द्म री ज नः मां का ज द्म मा म किः रु
कुं दि रु जी व ज रे रु हा ॥ रुं को जे द्म गू का ल्य ४ रुं रुं दि रु जी व ज रे

[illegible]

जवा जाहिय रुं रुं ॥ ओं हाँ याँ यामि नि य रुं रुं ॥ ओं डी माँ माहिनि
य रुं रुं ॥ ओं ऊँ की संचा मि नि य रुं रुं ॥ ओं रुं रुं सी नी य रुं रुं ॥
थन अग न्यास ॥ द पा ला हा नि ॥ ओं वें हाँ याँ डीः माँ की डीः रुं रुं रुं रुं
रुं रुं रुं ॥ थन दे वि या मूल सकु नः द पा ला हा नि न पा ग सु थ का या उ
मा ल सु रुं रुं ॥ ॥ थन ज ओ ला हा नि न अग न्यास ॥ ओं वें ना रुं ॥ हों
याँ ॥ हुं द याँ ॥ डी माँ ॥ चक्र ॥ ऊँ की ॥ जि न सि ॥ रुं रुं ॥ से र वा या ॥ ॥ ओं
पूँ जी ॥ ओं श्रीः ॥ ग्वें लौ दै माँः को ॥ ओं गिं को ॥ को ले को प्र गुं स्व सु नं ति
मै रुं ॥ ओं इ सर्व वृद्ध ता कि नी य व रुं व रुं प व रुं व नी च नि य ॥ रुं रुं

हृद् इत्याह ॥ धनदेवीया मूलमकुन पावस चानः थदपा ला हानि
न मधुलसहाय ॥ धन विपना मूडा वलि स अचिष्ट नयाय ॥ वाक्
ओं आ ४६ ॥ मधुल अचिष्ट न ॥ धन स्वान च न हू नाओं ॥ ऊँ ओ ख ओ वा
हाल सनिने ॥ ओं लान मेज क्रूर ॥ स्वाने कृया वाक् ॥ ओं आ लमान
मेज क्रूर ॥ स्वराव सुध ०० त्यादि ॥ ०० ति म कु मू चार्य पु ला सु जाल मनी
प्रनिधन चि रु ज ली व ग मे दा स कौ ति मे जा न ग ग हा दे ला ॥ नि म मे
चक्र ॥ वि दल स ली ल हू ॥ मध्य पि न स वृ ह द या य नि वा स द क्रि द्या ॥ व ल
लि का लिय को उर्द्ध तिल ॥ ल न यालि विष्ट न दि स मधुल मध्य ॥ व को

जः जकै नस्य प्रिय नः श्री रगव निवज वा जाहिसु न्धु सैधु नव धु रीः
५५ अतुलित न को दस्य राव मूलव काः । रेष धा द्धु मूरिय द क्रि द को ला
न धाः वा मया रथे द न रव ली ग वा म क न गृहि न न क पू धु लि न क या
लः द क्रि रथ धु ना दैः नील व ज क रि कोः धा द न व धा रु मा जि निर्व श ना
सि ज सि नील द रालि मा ला वे लि तीः मूक नील कू न जि नो नू हीः प्र नि म
ख ने प्र प्र यः धु व ध नू धि न मूर की स न त न न सि नो धा नि म हा जा र क मा
नू ऊ न वी नः वि रु लः सा स्य जा ड र या न कः क नू धा ल न धा नः न व ना य
ज सै ४ स म चि नाः च क्रि कू धु ल क रि लो च कः मे ख ला सृ शा दि रेष धु डा

मृडितासफाके किजर्घाः वज्रजालिप्रहामधुली. मर्द्धपर्यंकनृत्यलि
नी. रगवनिहावयन ॥ थनदवयाग हावनावाक ॥ निम्मानवकस्मि
नं वं कालजालिमाता. हिम्भकनिष्ठतवनवारिनी. हानदवनिमाक
व्यः समयदवत्य हावयन ॥ हं ३. ला मूडादस्य ॥ थन अर्घपाप्रसः
अर्घानलखनय ॥ ओं आ. औ. वज्रवा जाहिप्रवसुका लायपाशायः आच
मनीप्रनिष्ठस्वाहा ॥ ओं. हं. वं. हां ॥ सला हि सस्वानवाय ॥ ओं. ओं. ओं. सर्ववृद्धः
जाकि. निर्यवज्रपूर्यप्रनिष्ठस्वाहा ॥ ओं. वज्रवर्धियवज्रपूर्यप्रनि
ष्ठस्वाहा ॥ ओं. वज्रवर्जानियवज्रपूर्यप्रनिष्ठस्वाहा ॥

कैरुद्र

दधुसगाउँदिया नवजपूष्यप्रति छुंरुद्रस्वाहा ॥ पूर्वसगाउँपूष्यप्रि
त्रियेवजपूष्यप्रति छुंस्वाहा ॥ उरुजगाउँकोमज्जुपिनियेवजपूष्यप्रति
छुंरुद्रस्वाहा ॥ पश्चिमगाउँहीहनायेवजपूष्यप्रति छुंरुद्रस्वाहा ॥
दक्षिणगाउँधर्मकायेवजपूष्यप्रति छुंरुद्रस्वाहा ॥ ॐ नमो गाउँसंरा
गकायेवजपूष्यप्रति छुंरुद्रस्वाहा ॥ वायुव्यगाउँनिर्मोनकायेव
जपूष्यप्रति छुंरुद्रस्वाहा ॥ नैमल्यगाउँमहासखकायेवजपूष्यप्र
ति छुंरुद्रस्वाहा ॥ अग्निगाउँजकिदियेकैरुद्र ॥ पूर्वहुजानगाउँला
मैकैरुद्र ॥ ॐ सानकीगाउँखेज्जीहैकैरुद्र ॥ वायुवकीगाउँज्जुपिनि





१ ओं वैवज्वा नाहियकं रुद्र ॥ नैमन ॥ ओं हां यां जाति निशकं रुद्र ॥ रुद्र न ॥
यकं रुद्र ॥ यकं रुद्र ॥ ओं कं किं सं वा निनि कं रुद्र ॥ वीचुव कं ॥ ओं कं कं स
जाति निशकं रुद्र ॥ ॥ ओं रुद्र रुद्र च वि, काय कं रुद्र ॥ अरुने कं ॥
ओं आनन्दवज्ज प्रथकं रुद्र ॥ प्र ॥ ओं पनमानन्दवज्ज प्रथकं रुद्र ॥
उग ॥ ओं विजमानन्द प्रथकं रुद्र ॥ य ॥ ओं सरुजानन्दवज्ज प्रथकं
रुद्र ॥ द ॥ यदिग सर्वोयः थनयं च यहा नयुजा ॥ थनया दस गा स्या ॥
धं छे वा दन ॥ ओं सर्वरुद्रान ॥ ओं काल मधुय गलां गल कृत विं शुन
ग्रय गला विकल्पि र्म सत्वा एज नयुग पदाहिका लीः नमा मिज ग
देव रुद्रकाः नाहिव कं रुद्र जीवका सिमां वज्ज वा जीज सत्वा वाः माध

ओं कं कं स
मां मां हि नो य कं रुद्र

ल.

साधनसयाननपदीत्यां नमि वद नानर्तविषी ॥ थन पायकायां
नयन ॥ ॐ अ० आ० क० रु० द्र० द्यादि ॥ ॐ नमो रगवने वं वज्र वा जादियुक्त
रु० ॥ ॐ नमो रगवने अ० प० जा० जि० न० क० रु० ॥ ॐ नमो रगवने सर्व
रु० वयाव रु० रु० रु० ॥ ॐ नमो वज्रासनेः अ० प० जा० जि० न० वस्यै क० जि
न० प्रणामिनि रु० रु० ॥ ॐ जीवनिः अ० धनिः श्रीरु० निः क० ला० लि० नि
रु० रु० ॥ ॐ सृष्टिनिः मा० जि० निः शु० प्र० रु० द० निः प० जा० रु० रु० रु० ॥ ॐ नमो
अ० वि० रु० य० अ० रु० निः रु० रु० निः श्रीरु० निः य० रु० रु० ॥ ॐ नमो वज्रीनीव
जवा नाहिः वज्रजी गि० निः कामेय जि० स्व० रु० रु० रु० ॥ थन जा० कि० रु०

जलपाजोचो न ॥ न न सव्यकाज सपि निहा विनां शुनि पथर स्रवि
कजो सुय्य मा का नाधिदि न ॥ न रथे वना म रु र्म गु लिषुः यद्र पशका
ले आ का न जं चन्द्र म का नाधिदि न विहा व्यग न या म ध्व द ना क स्रु न रथे व द
वी नू या रु न स ले कि त नी विचि त् ॥ ॥ थन आया ग ग न न काल मूर्ख मरु क
खलि के वा मा वरु न प्र म नु म क ड न च्छा या ना न द नू देवी क म ला द ले गु द म च्छ
क न द मी द या म ध व काल ज की री ॥ ३ सर्व वृद्ध जा कि नि य व ज व धू नि य व ऊ व
जा च नि प रू ३ रू ३ रू ३ रू ३ रू ३ नि म न्ना क ज न म द न ॥ ॥ स क जि दि कं का मि लि नि
पी कि य य स्या ध हा का न वि न च्छ न ॥ न च्छ क्री वा म ना नि वे ग नः म नी नि च्छ ली प मः

यश्च न गच्छन् देवी च पुत्राली प्रपन्निष्ठ जयदियवक्त्रा कृत्यमानः महासुखवच
कंदवी त्ववन् गच्छवदन्त मध्या जयाः स्त्रायिर्गयश्च न ॥ १०० चन्दालि चक्र मयश्चालि
निलिमानचक्राः द्वे काजप्रयिनी ००० विन्दुहि नानादादवी प्रपा मल्लमनु
प्रश्न जकालेखार्द गताः कायधर्मसंलो गचक्रमहि यमहासुखमयीः स्वहिकीय
वेडा न गमहासुखमायश न या को न सुखमहासुखमयी स्वहिकीयवेडा न गमहासु
खचक्रगत्वाः महाकलावली न सी दिडधन क्रूर वन् गच्छवदन्त मध्या जयाः स्त्रायिर्गयश्च न ॥ १०१
ययनी कृतमवाचि रूपदविष्टमन् ॥ यायादि ॥ अर्घ्यालेखः अर्घ्याज स्वग्वत्तसैन
य ॥ १०२ श्रीवज्रहं हं नृक प्रवत्तका जायः पायाध्या चमनी प्रोक्तमनी प्रकि च स्वाहा ॥
जकवे हो न हनं सत्ता हि सत्त्वानवीय ॥ वाक्क का पाया ॥ यै च पहा जयूजा ॥

षी ७ जाला ह्य ॥ धर्म वा द न मुनि ॥ त म न ॥ जा कि का या ॥ हा ज या ॥
चो नै ॥ न न स व क न ॥ अ टि नी रा धि नी गु लि प च र ह चि क व ज ॥ सूर्य मा का
जा धि धि नः ॥ न यै व ना म रु ली गु लि खः ॥ प म प ना का न ॥ अ का न ऊ च नु म
का जा धि धि नै वि रा य ॥ न यो म ध ध ना क सूर्य न यै व दे वी पू मा स्नान
स ल किं ह नां वि चि त्वा ॥ किं व नि न ॥ थ न जा प जी ग या य ॥ य ध म्मो थ
ओ क हा यः ॥ ठ गि रु नि य पा ग ॥ थ न ऊ र्ध्वो क आ अ ले ख म य ॥ वा क्त ॥
ओ किं व ज वा ना हि प व स्का जा यः ॥ या या ध ज्ञा च मे नै प्रो क्त म नै प्र नि द्ध स्था
हा ॥ स ल हि स स्नान वी र ॥ वा क्त ॥ क्रा पा या गुं थः ॥ प ची प चा न पू जा ॥

षीदलास्याः घृष्टवादनः कुनि ॥ सर्वरूपानः पूषादि ॥ ओं कालमघ
पनलाकलो कलविन्दुयपनलाधिकविषं सत्वाहीजनयूगयदादिः
कात्वीनमाभिजगदेवहं प्रकोः नास्ति चक्रकुरुतां वृवातिनीः वज्रवा
जिकुजसरावी सोधसायजयनीः त्वीनमाभिवदवानती ॥ थनयाप्रक
याडीः नर्येनविष्य ॥ ॥ थनवलि सतीषच्छुल्लनयः वृक्ष ॥ नमीय
कात्रेनवायूमधुलः नश्यपिजिजानाकवक्रिः आ ॥ जनिनमूषु विर्यकनचूजिकाप
प्रिष्टपन्नराजनः विर्विन्नगुयावदेकरकादिके ॥ ओं कौं आः स्वः कः ताः माः पाः गोः वः
जानयंचाम्भयचपदियनूपः यवनमधुलीय लि नयजतिनाग्निनापवित्तिनन

दधु नद नूय जिः आका ज उ नि न वि हं स्त्री न त्रि हं हृत्वा हि मा प्री न त्रि गो र्धा मू र्वी
 नृ न मयीः ख ली ग न न वा विः विलि न वा जा ज द स ह से स मिश्र य सि नि ह न वि चि क य
 न ग न इ य जि उं आ ह कं वृत्त्य क ज प्र य ह ह न ड मि लि म्ब द स दि ग व हि वी ज म्बः
 जि ह मीः ह मा म न मा नियः न र्ते वा क जेषू प्र वं ज य ॥ रुं का ज य र्थ न यू र्व
 कः रु ग व नि मा कृ ष्य नि यू ज न र्ते ष्ट यः ॐ का जा दि क म पि क म स्य वि
 लि न व लो क ॥ ॐ आ की व र्ज वा जा दि प्र व स का जा य या र्थी जू र्धं आ च म
 नैः प्रो क्त म नै प्र नि कृ त्वा हा ॥ ज रुं व र्हो ॥ वा लि स स्तान वो यः वा र्कः का
 या या रुं ॥ यो षे वो यः यं च प हा ज पू जाः यो द स ता स्या ॥ र्ध थ वा द न ॥

ॐ कूं स्वाहा ॥ वज्र ॥ ॐ हूं स्वाहा ॥ धी ध ॥ ॐ कमल मेघ पटलान्न ॥ त्यादि ॥
क्रा पा या गु ॥ न प न ॥ ॐ ओं ओं कूं रुद्र ॥ त्यादि ॥ ॐ नमो हगव न वें वज्र वा
जाहि ॥ त्यादि ॥ क्रा पा या गु ॥ वी यू जा ॥ हस्त धन ॥ नमो आति कालि
पति नम चंद्र सूर्य स्वराव क ज द्यां नमो नमो का ज द्या ॥ ॐ ओं न्या न्या नूग
ना सर्व धर्मो ॥ ॐ प ज स जा नूग ना सर्व धर्मो ॥ अत्यं ना नूग ना सर्व धर्मो ॥ ॐ
देव्य प्रमानं समये प्रमानं नमो नवा चः हस्त प्रमानं पुन न सत्य न रवेयू
जनाः देव्या ममानूय हस्त नूग ना ॥ ॐ हस्त कं जिह्वा नी विराव्य ॥ ॐ वज्र
जलि न ऊरूं वीही ॥ वज्र वा जाहि समय स्व दृष्ट हो ॥ ॥ धन स्वा नजा

किं काया जीवति सहायके । वाक् ॥ ॐ स्वस्व स्वाहिरवाहि सर्वज के
जाके ससु न प्रमपि ॥ ॐ मांदा जय समा तज कज किं हा द्वयः ॥ ॐ म
वति गुरुः समय जके तु सर्वे सिद्धि मे प्रयच्छतुः ॥ ॐ व नथे व सुज
थः पिठाथः जिघ्रथ मागिकाः कुमर्थः मम सर्वो का जगयाः सन सुख प
वृद्धयः सहायका नीरुवंतु रुरुं रुरुं रुरुं रुरुं ॥ वलि पूजाः दंडी पूजाः
किं निनः गात्रः हिली कवीने ॥ सुगा क्रज ॥ ॥ ॐ वज्र सत्व समय म
नूपा लयः वज्र सत्वे नय निष्ठ दम मरुवः सुभा ॥ ॐ मरुवः सुभा ॥ ॐ मरु
वः ॥ ॐ नूज क मरुवः सर्वे सिद्धि मे प्रयच्छः सर्व कर्म सुच मचिरुः ॥ ॐ

[illegible]



